नामांका Roll No.

No. Of Questions- 13

S–96–Hindi (D & D)

No. Of Printed Pages- 07

माध्यमिक (मूक–बधिर) परीक्षा, 2016

हिन्दी

समय : $4\frac{1}{4}$ घण्टे

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न–पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।

2. सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं।

3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें।

4. जिन प्रश्न के अ, ब, स, द भाग हैं, उन सभी का हल एक साथ सतत् लिखें।

खण्ड–क

प्र.1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर उस पर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर लिखिए।

स्वतंत्र भारत का सम्पूर्ण दायित्व आज विद्यार्थियों के ऊपर है क्योंकि आज जो विद्यार्थी हैं वे ही कल स्वतंत्र भारत के नागरिक होंगे। भारत की उन्नति और उत्थान उन्हीं की उन्नति और उत्थान पर निर्भर करती है। अतः विद्यार्थियों को अपने भावी जीवन का निर्माण बड़ी सतर्कता और सावधानी से करना चाहिए। उन्हें प्रत्येक क्षण अपने राष्ट्र, अपने समाज धर्म और अपनी संस्कृति को अपनी आँखों के सामने रखना चाहिए ताकि उनके जीवन से राष्ट्र को बल प्राप्त हो सके। जो विद्यार्थी राष्ट्रीय दृष्टिकोण से अपने जीवन का निर्माण नहीं करते वे राष्ट्र और समाज के लिए भार स्वरूप होते हैं।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। (2)

(ख) भारत का कौन सा दायित्व विद्यार्थियों पर है? (2)

(ग) विद्यार्थी को अपने जीवन का निर्माण कैसे करना चाहिए? (2)

(घ) कौन भविष्य में स्वतंत्र भारत के नागरिक होंगे? (2)

(अ) विद्यार्थी (ब) शिक्षक

(स) अधिकारी (द) कर्मचारी

(ड़) जो विद्यार्थी राष्ट्रीय दृष्टिकोण से अपने जीवन का निर्माण नहीं करते वे किसके लिए भार स्वरूप होते हैं? (2)

(अ) विश्व के लिए (ब) राष्ट्र, समाज के लिए

(स) घर के लिए (द) परिवार के लिए

प्र.2. निम्नलिखित अपठित काव्यांश को पढ़कर उस पर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर लिखिए।

कुदरत हमको रोज सिखाती,
जगहित में कुछ करना सीखें
अपने लिए सभी जीते हैं,
औरों के हित मरना सीखें,
सूरज हमें रोशनी देता,
तारे शीतलता बरसाते।
चाँद बाँटता अमृत सबको,
बादल वर्षा जल दे जाते।
जुगनू ज्यों थोड़ा–थोड़ा ही
अंधकार हम हरना सीखें।
बिन अभिमान पेड़ देते हैं
बीज, फूल, फल ठण्डी छाया।
ये दधीचि बनकर इस युग में,
न्यौछावर कर देते काया।
मौसम चाहे कैसा भी हो,
तरू की तरह निखरना सीखें।।

(क) उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। (1)

(ख) कुदरत हमें क्या शिक्षा देती है? (1)

(ग) चाँद सबको क्या बाँटता है? (1)

(घ) पेड़ शब्द का पर्यायवाची है– (1)

(क) जल्द (ख) वृक्ष

(ग) सदन (घ) जल

(ड़) तरू शब्द का अर्थ है– (1)

(क) पेड़ (ख) शाखा

(ग) जड़ (घ) तना

अथवा

कुछ काम करो कुछ काम करो।
जग में रहकर कुछ काम करो।।
यह जन्म हुआ किस अर्थ अहो।
समझो जिसमें यह व्यर्थ न हो।।
कुछ तो उपयुक्त करो तन को।
नर हो, न निराश करो मन को।।
सम्भलो कि सुयोग न जाय चला।
कब व्यर्थ हुआ सदुपाय भला।।
समझो जग को न गिरा सपना।
पथ आप प्रशस्त करो अपना।।
अखिलेश्वर है अवलम्बन को।
नर हो, न निराश करो मन को।।

(क) उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। (1)

(ख) 'पथ आप प्रशस्त करो अपना' का भाव स्पष्ट कीजिए। (1)

(ग) प्रस्तुत पद्य में अखिलेश्वर शब्द का क्या अर्थ है? (1)

(घ) जन्म शब्द का विलोम है – (1)

(क) जीवन (ख) मरण

(ग) उद्‌भव (घ) जीव

(ड़) 'सुयोग' शब्द में उपसर्ग है– (1)

(क) योग (ख) कु

(ग) सु (घ) सुय

खण्ड–ख

प्र.3. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में निबंध लिखिए – (8)

(क) दूरदर्शन वरदान या अभिशाप

(i) प्रस्तावना

(ii) दूरदर्शन

(iii) दूरदर्शन का अर्थ , अविष्कार

(iv) दूरदर्शन के विविध कार्यक्रम

(v) दूरदर्शन से लाभ व हानि

(vi) उपसंहार

(ख) विद्यालय में गणतंत्र दिवस

(i) प्रस्तावना , गणतंत्र दिवस

(ii) गणतंत्र दिवस का महत्व

(iii) समारोह की तैयारियाँ

(iv) सांस्कृतिक कार्यक्रम

(v) मुख्य अतिथि व प्रधानाचार्य द्वारा उद्‌बोधन

(ग) यदि मैं प्रधानाचार्य होता

(i) प्रधानाचार्य के कर्तव्य

(ii) विद्यालय मे छात्रों की अपेक्षाएँ

(iii) प्रधानाचार्य के रूप में मेरी भूमिका

(घ) मेरा प्रिय त्यौहार दीपावली

(i) प्रस्तावना

(ii) दीपावली की तैयारी

(iii) दीपावली मनाना

(iv) दीपावली का महत्व

प्र.4. स्वयं को कक्षा 9 के छात्र अभिनव मानकर विद्यालय के प्रधानाचार्य को पिताजी का स्थानान्तरण अन्यत्र हो जाने से स्थानान्तरण प्रमाण पत्र हेतु प्रार्थना पत्र लिखो। (5)

अथवा

अपने आप को रोहित शर्मा मानकर अपने बड़े भाई को एक पत्र लिखो जिसमें आपको क्रिकेट टीम में चुने जाने की सूचना दी गई हो। (5)

प्र.5. (क) (i) 'रमेश सुन्दर लिखता है' वाक्य में विशेषण शब्द लिखो। (1)

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में अकर्मक क्रिया कौन सी है? (1)

(क) भूपेन्द्र दूध पी रहा है (ख) कविता हँसती है।

(ग) बच्चे खेल रहें हैं । (घ) नीतू खाना बना रही है।

(ख) वाक्य कितने प्रकार के होते हैं? नाम लिखो। (3)

(ग) (i) "नाक कटना" मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग करो। (1½)

(ii) 'अधजल गगरी छलकत जाए' लोकोक्ति का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग करें। (1½)

(घ) अनुप्रास अलंकार की परिभाषा देकर उदाहरण भी लिखो। (3)

(ड़) (i) आग के दो पर्यायवाची लिखो। (1½)

(ii) अमृत शब्द का विलोम शब्द लिखो। (1½)

खण्ड–ग

प्र.6. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

छायामत छूना
मन, होगा दुख दूना।
जीवन में है सुरंग सुंधियाँ सुहावनी,
छवियों की चित्रगंध फैली मनभावनी,
तन सुगंध शेष रही, बीत गई यामिनी
कुतंल के फूलों की याद बनी चाँदनी

(क) कवि ने मन को छाया छूने से मना क्यों किया है? (2)

(ख) प्रस्तुत काव्यांश में जीवन का वर्णन किन शब्दों मे किया गया है? (2)

अथवा

लड़की अभी सयानी नहीं थी
अभी इतनी भोली सरल थी
कि उसे सुख का आभास तो होता था
लेकिन दुख बाँधना नहीं आता था
पाठिका थी वह धुंधले प्रकाश की
कुछ तुकों और कुछ लयबद्ध पंक्तियों की

(क) 'लड़की अभी सयानी नहीं थी' से कवि का क्या आशय है? (2)

(ख) प्रस्तुत पद्यांश में लड़की के बारे में क्या बताया गया है? (2)

प्र.7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 3 के उत्तर लिखिए–

(क) 'मन की मन ही मांझ रहीं,' गोपियों ने ऐसा क्यों कहा? (2)

(ख) कवि देव ने राधिका का प्रतिबिम्ब किसे कहा और क्यों? (2)

(ग) उत्साह कविता में कवि ने बादलों की तुलना किससे की है? (2)

(घ) कवि ने सुधियों को सुहावनी क्यों कहा है? (2)

प्र.8. निम्नलिखित काव्यांश को पढकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

पत्तों से लदी डाल
कहीं हरी कहीं लाल
कहीं पड़ी है डर में
मंद–गंध–पुष्प–माल
पाट–पाट शोभा श्री
पट नही रही है।

(क) इस काव्यांश में किस भाषा का प्रयोग हुआ है? (1)

(ख) पेड़ की डाली को कैसा बताया है? (1)

(ग) मंद–गंध–पुष्प माल का क्या आशय है? (1)

(घ) "पाट–पाट शोभा श्री पट नहीं रही है" पंक्ति में कौन सा अलंकार है? (1)

(ड़) उपर्युक्त पंक्तियाँ किस कवि पर रचित हैं? नाम बताइए। (1)

अथवा

पाँयानि नूपुर मंजु बजै, कटि किंकिंनि कै धुनि की मधुराई।
साँवरे अंग लसै पट पीत, हियै हुलसै बनमाल सुहाई।
माथे किरीट बड़े दृग चंचल, मंद हँसि मुखचंद जुन्हाई।
जै जग–मंदिर–दीपक सुन्दर श्री ब्रजदूलह देव सहाई।

(क) उपर्युक्त पद्यांश में किसकी सुंदरता का वर्णन हुआ है? (1)

(ख) कृष्ण ने क्या आभूषण पहन रखे हैं? (1)

(ग) कृष्ण के साँवले अंग एवं ह्रदय पर क्या शोभायमान है? (1)

(घ) कृष्ण की आँखे कैसी है? (1)

(ड़) ब्रजदूलह किसे कहा गया है? (1)

प्र.9. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सचमुच हैरान करती हैं काशी–पक्का महाल से जैसे मलाई बरफ गया, संगीत साहित्य और अदब की बहुत सारी परम्पराएँ लुप्त हो गई। एक सच्चे सुर साधक और सामाजिक की भाँति बिस्मिल्ला खाँ साहब को इन सब की कमी खलती है, काशी में जिस तरह बाबा विश्वनाथ और बिस्मिल्ला खाँ एक दूसरे के पूरक रहे हैं उसी तरह मुहर्रम–ताजिया और होली–अबीर, गुलाल की गंगा–जमुनी संस्कृति भी एक दूसरे के पूरक रहे हैं। अभी जल्दी ही बहुत कुछ इतिहास बन चुका है, अभी आगे बहुत कुछ इतिहास बन जाएगा। फिर भी कुछ बचा है जो सिर्फ काशी में है, काशी आज भी संगीत के स्वर पर जगती है और उसी के थापों पर सोती है। काशी आनन्द कानन है।

(क) काशी से क्या–क्या लुप्त हो गया है? (2)

(ख) काशी में क्या–क्या एक दूसरे के पूरक रहे हैं? (2)

अथवा

और सभ्यता? सभ्यता है संस्कृति का परिणाम। हमारे खाने पीने के तरीके, हमारे गमनागम के साधन, हमारे परस्पर कट–मरने के तरीके, सब हमारी सभ्यता है, मानव की जो योग्यता उससे आत्मविश्वास के साधनों का अविष्कार कराती है, हम उसे उसकी संस्कृति कहें या अंसंस्कृति और जिन साधनों के बल पर वह दिन–रात आत्मविनाश मे जुटा हुआ है, उन्हें हम उसकी सभ्यता समझें या असभ्यता? संस्कृति का यदि कल्याण की भावना से नाता टूट जाएगा तो वह असंस्कृति होकर ही रहेगी और संस्कृति का अवश्यंभावी परिणाम असभ्यता के अतिरिक्त दूसरा क्या होगा?

(क) सभ्यता किसे कहा गया है? (2)

(ख) संस्कृति कब असंस्कृति हो जाती है? (2)

प्र.10. निम्नलिखित प्रश्नों मे से किन्ही तीन के उत्तर लिखिए–

(क) मनुष्य के जीवन में आस–पड़ोस का क्या महत्व है? (2)

(ख) द्विवेदी जी के अनुसार स्त्री शिक्षा का विरोध कौन कर सकते हैं? (2)

(ग) आग की खोज के लिए प्रेरणा क्या रही होगी? (2)

(घ) फादर बुल्के की मृत्यु किस रोग से हुई थी? (2)

प्र.11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिए–

(क) फादर बुल्के ने भारत आने का मन क्यों बनाया होगा? (2½)

(ख) मन्नू भण्डारी के पिता रसोई को भटियार खाना क्यो कहते थे? (2½)

(ग) लेखक ने संस्कृति के नाम पर कूड़े करकट का ढेर किसे कहा है? (2½)

खण्ड– घ

प्र.12. आज की पीढ़ी के द्वारा प्रकृति के साथ किस तरह का खिलवाड़ किया जा रहा है? इसे रोकने में आपकी क्या भूमिका होनी चाहिए? (4)

अथवा

कठोर ह्रदय समझी जाने वाली दुलारी टुन्नू की मृत्यु पर विचलित क्यों हो गई? (4)

प्र.13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर लिखिए –

(क) सिक्किम की राजधानी का असली नाम क्या है? उसका अभिप्राय क्या है? (2)

(ख) दुलारी का पहली बार टुन्नू से परिचय कहाँ और किस रूप में हुआ? (2)

(ग) लेखक को किस दृश्य ने हिरोशिमा पर कविता लिखने के लिए प्रेरित किया था? (2)

.....

DO NOT WRITE ANYTHING HERE